THREADBARE : I. Lit. : सूत्रदरिद्र (f. द्रा), Mr. ii. 7. II. Fig. : शून्यगर्भ (f. र्भा).

THREADY : (1) सूत्रमय (f. यी) ; (2) तन्तुमय (f. यी) ; (3) तान्तव (f. वी).

THREAT : (1) विभीषिका, *by various t.s* : विभीषिकाभिर्बह्वीभिः Mah. ii 41. 1. ; (2) तर्जनम् *or* तर्जितम्, सं-. (3) भीषा, M.n.

THREATEN : I. Lit. : (1) तर्जयति, सं- (तर्ज्, c. 10.), *t.ed much against Dhanamitra* : धनमित्रमुद्दिश्य बह्वतर्जयत्, D. ii. ; *t.ed them* : तावतर्जयत्, R. xii. 41. ; (2) भीषयति (c. of भी = frighten : q.v.). II. Fig. : expr. by circumlo. : *it t.s rain or t.ing weather* : वृष्ट्याशंसि दिवसम् ; *weather is t.ing* : प्रत्यासीदति झञ्झा : v. To bespeak, impend.

THREATENINGLY : तर्जयत् (f. न्ती), सं- : v. To threaten.

THREE : त्रि, *by the t. states* : तिसृभिरवस्थाभिः, Ku. ; *t. times* : त्रिः ; *in t. ways* : त्रिधा *or* त्रेधा ; *t. or four* : त्रिचतुराः (n. pl. णि) ; *interest at t. percent per mensem* : त्रिकं शतं मासस्य वृद्धिः, M. viii. 143. ; *the t. Vedas* : त्रयी ; *the t. objects of life (virtue, wealth and love)* : त्रिवर्गः ; *the t. spices (cinnamon, nutmeg, and cardamoms)* : त्रिजातकम्, D. ; *a heifer t. years old* : त्रिहायणी ; *for t. nights* : त्रिरात्रम्. त्रयम् is often affixed to express t. : *t. years* : वर्षत्रयम्. T. score : v. Sixty.

THREE-CORNERED : (1) त्रिकोणः (णा, णं) ; (2) त्र्यस्रः (स्रा, स्रं).

THREE-EYED : (1) त्रिनयनः (ना, नं) ; (2) त्रिनेत्रः (त्रा, त्रं) ; (3) त्रिलोचनः (ना, नं).

THREEFOLD : त्रिगुणः (णा, णं) : v. Also three.

THREE-FOOTED : (1) त्रिपदः (दी, दं). (2) त्रिपादः (दा, दं).

THREE-HEADED : (1) त्रिमूर्ध (f. र्धी) (the form त्रिमूर्धन् is also found) ; (2) त्रिशिरस् (mfn.) ; (3) त्रिशीर्षकः (का, का).

THREE HUNDRED : त्रिशतम्, *T.th* : त्रिशतः (ती, तं) *or* त्रिशततमः (मी, मं).

THREE-LEAVED : (1) त्रिपत्रः (त्रा, त्रं) ; (2) त्रिपर्णः (र्णा, र्णं), etc.

THRESH : मृद्नाति *or* मर्दयति, सं-, परि-, (मृद्, c. 9. and 10.). Ph. : *t.ing floor* : खलः (ली).

THRESHOLD : I. Lit. : (1) देहली ; (2) द्वारपिण्डी ; (3) गृहावग्रहणी ; (4) उडुम्बरः (rare). II. Fig. : प्रारम्भः : v. Beginning.

THRICE : (1) त्रिः ; (2) त्रिवारम्. *T. seven* (i.e. twentyone) *times* : त्रिःसप्तकृत्वः ; *t. ploughed* : त्रिगुणाकृतः (ता, तं) *or* त्रिहल्यः (ल्या, ल्यं), *t. as long as that* : तस्मात्त्रिगुणदीर्घः (र्घा, र्घं).

THRIFT : I. Thriftiness : मितव्ययः, -यिता : v. Frugality. II. Growth, increase : q.v. : (1) संवृद्धिः ; (2) विवृद्धिः.

THRIFTILY, THRIFTINESS : v. Frugally, frugality.

THRIFTY : मितव्ययिन् (f. नी) : v. Frugal, sparing.

THRILL : I. Subs. : (1) वेपथुः (=shivering) ; (2) रोमाञ्चः, and sim. comp.s (=horripilation), *a t. came over the bodies of the sages* : मुनीनामङ्गानि रोमाञ्चं विभराम्बभूवुः, Ki. xv. 53. II. Verb : expr. by subs. *T.ing* : लो(रो)महर्षण (f. णा), Mah.

THRIVE : वर्द्धते (वृध्, c. 1.), *t.ing* : वर्धिष्णु (mfn.), Si. v. 14. : v. Also prosperous.

THROAT : (1) कण्ठः ; (2) गलः : v. Neck.

THROB : I. Verb : (1) फुरफुरायते (nomi.), Mr. 1. ; (2) दुरदुरायते (nomi.) ; (3) वेपते (वेप्, c. 1.) : v. To palpitate. II. T.bing : (1) फुरफुरायितम् ; (2) दुरदुरायितम् ; (3) वेपनम् (=quake).

THROE : यातना : v. Pain.

THRONE : I. Lit. : सिंहासनम् and sim. comp.s, *seated on t.s* : सिंहासनस्थान्, R. vi. 1. ; *ascended the paternal t.* : भेजे पैतृकमासनम्, R. xvii. 28. II. Fig. : छत्रम्, *one who has lost his t.* : छत्रभ्रष्ट (f. ष्टा), Mah. : v. Kingdom.

THRONG : I. Subs. : जनसंमर्दः and sim. comp.s : v. Crowd, multitude. II. Verb : expr. by जनाकीर्ण (f. र्णा) and sim. adj.s : v. To crowd.

THROTTLE (v.) : गलं निष्पीडयति (पीड्, c. 10. =press) *or* निष्पीड्य मारयति (=t. to death).

THROUGH (prep.) : I. On accunt of : q.v. :